दूरस्थ शिक्षण अध्ययनशाला,
जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

बैचलर ऑफ आर्टस्

त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम

बी.ए. भाग द्वितीय

<u>प्रकाशक</u>

कुलसचिव
जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

द्वितीय वर्ष
हिन्दी भाषा
प्रथम प्रश्न पत्र

(बी.ए., बी. एस. सी,, बी. कॉम., द्वितीय वर्ष के पुनरीक्षित एकीकृत आधार पाठ्यक्रम एवं पाठ्य सामग्री ।

।। संप्रेक्षण कौशल, हिन्दी भाषा और सामान्य ज्ञान ।।

आधार पाठ्यक्रम की संरचना और अनिवार्य पाठ्य पुस्तक – हिन्दी भाषा और वैज्ञानिक चेतना – का संयोजन इस तरह किया गया है कि सामान्य ज्ञान की विषय वस्तु विज्ञान और वैज्ञानिक चेतना के माध्यम, आधार और साथ – साथ हिन्दी भाषा के ज्ञान और उसमें सम्प्रेक्षण कौशल आर्जित किया जा सकें । इसी प्रयोजन से व्याकरण की अंर्तवस्तु का विविध विधाओं की संकलित रचनाओं और सामान्य ज्ञान की पाठ्य सामग्री के साथ अन्तगुन्फित किया गया है । अध्ययन अध्यापन के लिये पूरी पुस्तक की पाठ्य सामग्री है और अभ्यास के लिये विस्तृत प्रश्नावली है । यह प्रश्न पत्र भाषा का है अतः पाठ्य सामग्री का व्याख्यात्मक या आलोचनात्मक अध्ययन आपेक्षित नही है । पाठ्यक्रम और पाठ्य सामग्री का संयोजन निम्मलिखित पॉच इकाईयों मे किया गया है । पहली तीन इकाईयां दो–दो भागों मे विभक्त है ।

इकाई –एक

(क) हिन्दी की व्याकरणिक कोटियॉ रचनागत और प्रयोगगत उदाहरण, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण आदि तथा समास, संधि एवं संक्षिप्तियॉ रचना और प्रयोगगत विवेचना ।

(ख) पाठ – मुक्त गगन है : माखन लाल चतुर्वेदी, शिकागो व्याख्यान, स्वामी विवेकानन्द और वर्ण – विन्यास विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ।

इकाई –दो

(क) विविध विषयों पर संक्षिप्त निबंध लेखन ।

(ख) पाठ क्या लिखूँ : पदुमलाल पुन्नालाल वख्शी, भय से मुक्तिः जे कृष्णमूर्ति, शिरीष के फूल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, माण्डव : रामानारायण उपाध्याय, पर्यावरण और राष्ट्रीय सेवा योजना ।

इकाई –तीन

(क) हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक एवं तकनीकी शब्दावली तथा मुहावरों और लोकोक्तियॉ

(ख) औधोगिक क्रांति : डॉ श्यामाचरण दुबे, छोटा जादूगर,

जयशंकर प्रसाद

इकाई चार

विज्ञान और साहित्य जैनेन्द्र कुमार विज्ञान परिभाषा शाखाओं और संक्षिप्त इतिहास, प्रमुख वैज्ञानिक आविष्कार, हमारा ब्रहांड और जीवन, हमारा सौर मण्डल जीवन उद्‌भव और विकास, भारत की वनस्पतियॉ और जीव।

इकाई पॉच

भोजन और स्वास्थ्य

मूल्यांकन योजना – प्रत्येक इकाई से एक – एक प्रश्न पूछा जायेगा प्रत्येक प्रश्न से अतिरिक्त विकल्प होगा और प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक होगें । पहली तीन इकाइयों में दो – दो खंड क्रमशः – 'क ' और 'ख' है । 'क' अर्थात् व्याकरण के प्रश्नों के लिये 10 अंक एवं 'ख' अर्थात् पाठों पर आधारित प्रश्नों के लिये 5 अंक निर्धारित है । इकाई 4 और 5 पर आधारित प्रश्न अंक क्रमशः 10–10 है । इस प्रकार पूरे प्रश्न पत्र के पूर्णांक 50 होंगे ।

FC II : English Language

B.A./B.Sc./ B/Com. II

Max. Marks : 50

The question paper for B.A./ B.Sc./ B/Com./ B.Hsc. II. FC English language and Cultural values shell comprise the following language and cultural values shall comprise the following Units :

Unit I : Short answer question of about 100 words

Unit II :(a) Heading conprotionslon of an unseen Passage
(b) Vocabulary

Unit III: Report - writing (about 200 works)

Unit IV:Expansion of an ideas (about 200 works)

Unit V : Grammar (twenty items passed on the patterns given in the prescribed text book to be asked and 15 to be attempted)

Note : Question on all the units shall asked from the prescribed text which will comprise specimens of popular creative/ writing and the following if any (a) matter & Technology.

(i) State of matter and its structure

(ii) Technology (Electronics, Communication, space science)

(b) Our solentists & institutions.

(i) Life & works of our Eminent Scientist Arya Bhatt, Kausd Chorak Shahruta, Nogarjun, J.C.R. C.V. Raman, J. Ramanujan, Homi J., Babha, Birbal eahani,

(ii) Indian scientific Introduction (Ancient & Modify)

The text book shall sponsored by the M.P. Higher decision Department and published by the M.P. Granth Academy.

बी. ए. द्वितीय वर्ष
आधार पाठयक्रम
प्रश्नपत्र – तृतीय
पर्यावरणीय अध्ययन

सैद्धांतिक –40
परियोजना मूल्यांकन आंतरिक–10

यूनिट– 1

पर्यावरणीय अध्ययन की बहु विषयक प्रकृति

परिभाषा, क्षेत्र एवं महत्व
जन चेतना की आवश्यकता

यूनिट–2 प्राकृतिक संसाधन

नवीनीकरणीय एवं अनवीनीकरणीय संसाधन
प्राकृतिक संसाधन एवं संबंधित समस्यायें

(अ) वन संसाधन : उपयोग एवं अतिदोहन, अवन्यीकरण, (वन विनाश) प्रतीक अध्ययन, काष्ठ निष्कर्षण, खनन, बॉध एवं उनका वनों एवं आदिम जाति लोगों पर प्रभाव।

(ब) जल संसाधन : सतही एवं भूमि जल का उपयोग एवं अति उपयोग, बाढ़, सूखा, जल पर द्वंद, बॉधों से लाभ एवं समस्यायें।

(स) खनिज संसाधन : उपयोग एवं दोहन, खनिज संसाधनों के दोहन एवं उपयोग के पर्यावरणीय प्रभाव, प्रतीक अध्ययन।

(द) भोज्य संसाधन : विश्व खाद्य समस्यायें कृषि एवं अति–चराई के फलस्वरूप परिवर्तन, आधुनिक कृषि के प्रभाव, उर्वरक एवं कीटनाशक (पेस्टीसाइड) से समस्यायें, जल क्रांति, लवणता, वस्तुस्थिति अध्ययन।

(इ) उर्जा संसाधन : उर्जा की बढ़ती आवश्यकतायें, नवीनीकरण एवं अ–नवीनीकरणीय उर्जा के स्रोत वैकल्पिक उर्जा स्त्रोंतों का उपयोग, प्रतीक अध्ययन।

(फ) भूमि संसाधन : भूमि एक संसाधन के रूप में, मृदा अवनयन, मानव प्रेरित भूस्खलन, मृदाक्षरण एवं मरूस्थलीकरण।

प्राकृतिक संसाधन के संरक्षण में व्यक्तिगत भूमिका।
सतत् जीवनयापन के लिये संसाधनों का सम उपयोग

यूनिट – 3 पारिस्थितिकी तंत्र

पारिस्थितिकी तंत्र की अवधारणा
एक पारिस्थितिकी तंत्र की संरचना एवं कार्य
उत्पादक, उपभोक्ता एवं विघटक
पारिस्थितिकी तंत्र में उर्जा प्रवाह
पारिस्थितिकी अनुक्रम
भोज्य श्रृंखला, भोज्य जाल एवं पारिस्थितिकी पिरामिड
निम्नांकित पारिस्थितिकी तंत्रों की भूमिका, प्रकार विशिष्ट लक्षण, संरचना एवं कार्य।

(अ) वन पारिस्थितिकी तंत्र
(ब) घास स्थल पारिस्थितिकी तंत्र
(स) मरूस्थल पारिस्थितिकी तंत्र
(द) जलीय पारिस्थतिकी तंत्र (तालाब जलधारा, झील, नदी, महासागर, खुला मुहाना (एस्चुअरी)

यूनिट –4 जैव विविधता एवं इसका संरक्षण

भूमिका – परिभाषा, अनुवांशिकी, प्रजाति एवं पारिस्थितिकी तंत्र स्तरों पर विविधता
भारतवर्ष का जैव भोगोलिक वर्गीकरण
जैव विविधता का मूल्य : उपभोगीय उपयोग, उत्पादकीय उपयोग, सामाजिक, नैतिक, सौंदर्य एवं वैकल्पिक महत्व।
जैव विविधता : विश्व, राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर
भारत एक बहु जैव – विविध राष्ट्र के रूप में।
जैव विविधता के तप्तस्थल (Hot spot)
जैव विविधता को भय : वास स्थान का क्षय, वन्यजीवन का अवैधानिक आखेट, मनुष्य–वन्य जीवन द्वन्द।
भारतवर्ष की संकटापन्न एवं स्थानिक प्रजातियॉ (Species)
जैव विविधता का संरक्षण : प्राकृतिक (insitu) एवं अप्राकृतिक (exsitu) संरक्षण।

यूनिट – 5 पर्यावरण प्रदूषण

परिभाषा

निम्न प्रदूषणों के कारण, प्रभाव एवं नियंत्रण के उपायः–

(अ) वायु प्रदूषण
(ब) जल प्रदूषण
(स) मृदा प्रदूषण
(द) समुद्री प्रदूषण
(ध) ध्वनि प्रदूषण
(न) ताप प्रदूषण
(प) आणविक प्रदूषण

ठोस अपव्यय प्रबंधन : शहरी एवं औद्योगिक अपव्यय के कारण, प्रभाव एवं नियंत्रण के उपाय।
प्रदूषण रोकने में एक व्यक्ति की भूमिका।
प्रदूषण : प्रतीक अध्ययन।
विध्वंसक प्रबंधनः बाढ़, भूकंप, चक्रवात एवं भूस्खलन।

यूनिट–6 सामाजिक मुद्दे एवं पर्यावरण

क्षयी से सतत् विकास
उर्जा से संबंधित शहरी समस्यायें
जल संरक्षण, वर्षा जल संचय, जल संमर (water shed) प्रबंधन।
लोगों का पुर्नवास एवं पुर्नव्यवस्थापन, इसकी समस्यायें एवं अभिरूचि, प्रतीक अध्ययन।
पर्यावरणीय नैतिकता : मुद्दे एवं संभाव्य समाधान।
जलवायु परिवर्तन, भूमण्डलीय उष्मीकरण, अम्ल वर्षा, ओजोन परत अवक्षय, आणविक दुर्घटनाएं एंव महाविनाश, प्रतीक अध्ययन।
पड़त भूमि पुनरूद्धार।
उपभोक्तावाद एवं वर्ज्य उत्पाद (West product)
पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम ।
वायु (प्रदूषण पर प्रतिबंध एवं नियंत्रण) अधिनियम
जल (प्रदूषण पर प्रतिबंध एवं नियंत्रण) अधिनियम
वन्य जीवन सुरक्षा अधिनियम
वन संरक्षण अधिनियम
पर्यावरणीय विधानों के प्रवर्तन में अंर्तनिहित मुददे।
जनचेतना।

यूनिट –7 मानव जनसंख्या और पर्यावरण

जनसंख्या वृद्धि, राष्ट्रों के मध्य में अन्तर
जनसंख्या विस्फोट – परिवार कल्याण कार्यक्रम
पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य
मानव अधिकार
मूल्य शिक्षा
एच.आई.व्ही./एडस
महिला एवं शिशु कल्याण
पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य में सूचना तकनीकी की भूमिका
प्रतीक अध्ययन

यूनिट–8 क्षेत्रीय कार्य (Field work)

पर्यावरणीय पूंजी को प्रलेख करने के लिये निम्नांकित में से किसी एक स्थानिक क्षेत्र का भ्रमण
नदी/वन/घास/स्थल/पहाड़ी/पर्वत
एक स्थानीय प्रदूषित स्थान का अवलोकनार्थ भ्रमणः शहरी/ग्रामीण/औद्योगिक/कृषि
सामान्य पोधौं, कीटों पक्षियों का अध्ययन।
सरल पारिस्थितिकी तंत्रों का अध्ययन : जैसे तालाब, नदी, पहाड़ी का ढलान इत्यादि। (क्षेत्रीय कार्य 5 व्याख्यान घण्टों के समतुल्य)

B.A. Part II
Paper III
ENVIRONMENTAL STUDIES

Theory – 40

Project Valuation (Internal)-10

Unit-1: The multidisciplinary nature of environmental studies.
Definition, scope and importance.
Need for public awareness.
Unit- 2 Natural Resources:
Renewable and non-renewable resources:
Natural resources and associated problems.

a) Forest resources: Use and over-exploitation, deforestation, case studies. Timber extraction, mining, dams and their effects on forests and tribal people.
b) Water resources: use and over-utilization of surface and ground water, floods, drought, conflicts over water, dams benefits and problems.
c) Mineral resurces: Use and exploitation, environmental effects of extractuing and using mineral resources, case studies.
d) Food resources: World food problems, changes caused by agriculture and overgrazing, effects of modern agriculture, fertilizer-pesticide problems, water logging, salinity, case studies.
e) Energy resources: Growing energy needs, renewable and non renewable energy sources, use of alternate energy sources. Case studies.
f) Land resources: Land as a resource, land degradation man induced landslides, soil erosion and desertification.

Role of an individual in conservation of natural resources.
Equitable use of resources for sustainable lifestyles.
Unit-3 : Ecosystems
Concept of an ecosystem.
Structure and function of an ecosystem.
Producers, consumers and decomposers.
Energy flow in the ecosystem.
Ecological succession.
Food chains, food webs and ecological pyramids.
Introduction, types, characteristic features, structure and function of following ecosystem.

a. Forest ecosystem
b. Grassland ecosystem
c. Desert ecosystem.
d. Aquatic ecosystems (ponds, streams, lakes, rivers, oceans, estuaries).

Unit -4 Biodiversity and its conservation
Introduction - Definition: genetic, species and ecosystem diversity.
Biogeographical classification of India.
Value of biodiversity : consumptive use, productive use, social,
ethical, aesthetic and option values.
Biodiversity at global, National and local levels.
India as a mega-diversity nation.
Hot-spots of biodiversity.
Threats to biodiversity- habitat loss, poaching of wildlife, manwildlife conflicts.
Endangered and endemic species of India.
Conservation of biodiversity : In-situ and Ex-situ conservation of
biodiversity.
Unit-5 : Environemtal Pollution
Defination
Causes, effects and control measures of:

a. Air pollution
b. water pollution
c. Soil pollution
d. Marine pollution.
e. Noise pollution.

f. Thermal pollution
g. Nuclear hazards.

Solid waste Management : Causes, effects and control measures of urban and industrial wastes.
Role of an individual in prevention of pollution.
Pollution case studies.
Diaster management : floods, earthquake, cyclone and landslides.

Unit 6 : Social Issues and the Environment

From Unsustainable to Sustainable development.
Urban problems related to energy
Water conservation, rain water harvesting, watershed management
Resettlement and rahabilitation of people; its problems and concerns
Case studies.
Environmental ethics : Issues and possible solutions.
Climate change, global warming, acid rain, ozone layer depletion, nuclear accidents and holocaust. Case studies.
Wasteland reclamation.
Consumerism and waste products
Environment Protection Act.
Air (Prevention and Control of Pollution) Act.
Water (Prevention and Control of Pollution) Act.
Wildlife Protection Act.
Forest Conservation Act.
Issues involved in enforcement of environmental legislation.
Public awareness.

Unit-7 Human Population and the Environment

Population growth, variation among nations.
Population explosion - Family Welfare Programme.
Environment and human health.
Human Rights.
Value Education.
HIV/AIDS
Women and Child Welfare.
Role of Information Technology in Environment and human health
Case Studies.

Unit-8 Field Work

Visit to a local area to document environmental assesst river forest/grassland/hill/ mountain.
Visit to a local polluted site - Urban/Rural/ Industrial/Agricultural.
Study of common palnts, insects, insects, birds.
Study of simple ecosystems-pond, river, hill slopes etc. (Field work Equal to 5 lecture hours)

References

1. Agarwal, K.C. 2001 Environmental Biology, Nidi Publ. Ltd. Bikaner.
2. Bharucha Erach, The Biodiversity of India, Mapin Publishing Pvt. Ltd. Ahmedabad - 380 013, India, Email: mapin@icenet.net (R)
3. Brunner R.C. 1989, Hazardous Waste Incineration. McGraw Hill inc. 480 p.
4. Clark R.S., Marine Pollution, Clanderson Press Oxford (TB)
5. Cunningham, W.P. Cooper, T.H. Gorhani, E & Hepworth, M.T. 2001, Environmental Encyclopedia, Jaico publ. House, Mumbai, 1161p
6. De. A.K. Environmental Chemistry, Wiley Eastern Ltd.
7. Down to Earth, Centre for Science and Environment (R)
8. Gleick, H.P. 1993. Water in crisis, Pacific Institute for studies in Dev., Environment & Security. Stockholm Env. Institute. Oxford Univ. Press 437p.
9. Hawkins R.E., Encyclopedia of Indian Natural History, Bombay Natural History Society Bombay(R.)
10. Heywood, V.H. & Watson, R.T. 1995. Global Bioiversity Assessment, Cambridge Univ. Press 1140 p
11. Jadhav, H & Bhosale, V.M. 1995 Environmental Protection and Laws. Himalaya Pub. House, Delhi 284 p
12. Mckinney, M.L. & School, R.M. 1996. Environmental Science systems & Solutions, Web enhanced edition 639p.
13. Mhaskar A.K. Matter Hazardous, Techno-Science Publications (TB)
14. Miller T.G. Jr., Environmental Science, Wadsworth Publishing Co.(TB)
15. Odum, E.P. 1971 Fundamentals of Ecology, W.B. Saunders Co. USA 574p
16. Rao M.N. & Datta, A.K. 1987. Waste Water Treatment. Oxford & IBH Publ. Co. Pvt. Ltd. 345p.

ch-,- f}rh; o"kZ ¼lekt'kkL=½
izFke iz'ui=
xzkeh.k ,oa uxjh; lekt'kkL=

bdkbZ&1 vo/kkj.kkRed ifjp; ,oa fo"k; {ks=
- v& xzkeh.k lekt'kkL=&fo"k; oLrq {ks= ,oa egRo
- c& uxjh; lekt'kkL=&fo"k; oLrq] {ks= ,oa egRo
- l& xzkeh.k ,oa uxjh; leqnk; dk vFkZ ,oa fo'ks"krk;sa

bdkbZ&2 xzkeh.k ,oa uxjh; lekt ds y{k.k
- v& xzkeh.k ,oa uxjh; lekt dh yk{kf.kd fo'ks"krk;sa
- c& vo/kkj.kk] fo'ks"krk,sa rFkk ifjorZu&tkfr] ifjokj] O;olk;
- l& efgykvksa dh ifjorZu'khy fLFkfr&lkeqnkf;d lgHkkfxrk ¼xzke iapk;r] lkekftd ,oa deZdk.Mh; mRlo½ rFkk laLFkkRed <kapk ¼eY;] fo'okl rFkk vkn'kkRed izfreku½ ds fo'ks"k lanHkZ esaA

bdkbZ&3 xzkeh.k lekt esa pqukSrh ,oa ifjorZu
- v& xzkeh.k izotu] xzkeh.k fodkl
- c& ifjorZu'khy 'kfDr lajpuk&usr`Ro ,oa xqVckth
- l& iapk;rh jkt] tteuh O;oLFkk rFkk ifjorZu'khy mRiknu lEca/kA

bdkbZ&4 Hkkjr esa uxjh; lekt
- v& izotu rFkk blds Lo:i
- c& uxjh; fodkl ls lacaf/kr eqn~ns] lsVyesUV clkgV] efyu cfLr;k] i;kZoj.k lEca/kh leL;k;sa

bdkbZ&5 xzkeh.k&uxjh; lEca/k
- v& xzkeh.k uxjh; lkrR;
- c& LFkkuh; 'kklu] iapk;r jkt O;oLFkk ¼iapk;r] uxj iapk;r½] uxjh; fudk;

B.A. IInd Year (Sociology)
Paper I : Rural & Urban Sociology

UNIT-1 CONCEPTUAL INTRODUCTION AND SUBJECT MATTER :
1) Significance, subject matter & scope of Rural Sociology
2) Significance subject matter and scope of Urban Sociology
3) Meaning & characteristics of Urban and Rural communtiy

UNIT-II FEATURES OF RURAL & URBAN SOCIETY
1) Distinctive character of Rural & Urban Society.
2) Concept, characteristics and changes caste; family, occupation.
3) Chanting status of women with reference to community. participation (Gram Panchayat, Social & ritual festivals) and institutional frame work (value, belief & uormative patterns).

UNIT-III CHALLENGE & CHANGE IN RURAL SOCIETY :
1) Rural migration, rural development, changing power structure, leadership & factionalism.
2) Panchayati Raj, Jajmani system and changing production relations.

UNIT-IV URBAN SOCIETY IN INDIA :
1) MIgration
- Forms of migration.
- Issues related to urban development
- Settlement, slums, environmental problems.

UNIT-V RURAL AND URBAN RELATION :
1) Rural and Urban continum, local governance, Panchayati Raj system (Panchayat, Nagar Panchayat)

Suggested Books :

1. A.R. Desai 1959 : Rural Sociology India Popular Prakashan, Bombay.
2. Rao M.S.A. 1974 : Urban Sociology in India Longman, New Delhi.
3. A.R. Desai 1979 : rural India in Transition, Popular Prakashan, Bombay.
4. Alfred D'souza 1978 : The Indian City: Poverty, Ecology and Urban development, Manohar, New Delhi.
5. Ramakrishna Mukarjee : The dynamics of rural society, Berlin A C Mukherjee 1957.

B.A. IInd Year(Sociology)

Paper II : Sociology of Tribal Society

Conceptual Introduction

UNIT – I

1. Tribe and Schedule Tribes – Meaning and Characteristics.Geographical, Linguistics distribution and economic division of tribes in India.

UNIT – II TRIBAL SOCIAL ORGANISATION

1. Matrilineal & Polyandrous Societies – From of marriage & family system.
2. Kinship system among tribes.

UNIT – III TRIBAL ECONOMY

1. Difference & similarity between tribe and caste, tribal society & Peasant Society.
2. Tribal habitat and economy.
3. Means of livelihood, occupations.
4. Tribal Problems – tribal poverty, indebtedness and land alienation.

UNIT – IV TRIBAL MOVEMENT & DEVELOPMENT

1. Tribal movement – concept and causes.
2. Tribal development in Madhya Pradesh – Policies & Programmes.

UNIT – V TRIBES OF MADHYA PRADESH

with introductory knowledge about Bhils,Bhilala,Gond,Korku.

बी. ए. द्वितीय वर्ष (समाज शास्त्र)

प्रश्नपत्र द्वितीय : जनजातिय समाज का समाजशास्त्र

इकाई – 1 **अवधारणात्मक परिचय** :
जनजाति और अनुसूचित जनजाति – अर्थ एवं विषेशताएं, भौगोलिक, भाषायी वितरण एवं भारत में जनजातिय आर्थिक विभाजन ।

इकाई –2 **जनजातिय सामाजिक संगठन**
मातृवंशीय एवं बहुपति समाज विवाह के स्वरूप तथा पारिवारिक व्यवस्था जनजातियों में नातेदारी की व्यवस्था ।

इकाई –3 **जनजातिय अर्थव्यवस्था**
जाति एवं जनजाति में समानता एवं भिन्नता, जनजातियों समाज एवं कृषक समाज जनजातिय निवास एवं अर्थव्यवस्था जीवन यापन के साधन, व्यवसाय जनजातिय समस्याएं – निर्धनता, ऋणग्रस्तता एवं भूमि पृथकरण ।

इकाई –4 **जनजातिय आंदोलन एवं विकास –**
जनजातिय आंदोलन – अवधारणा और कारण,
मध्यप्रदेश में जनजातिय विकास – नीतियां एवं कार्य।

इकाई –5 **मध्यप्रदेश की जनजातियां**
गौड़, भील, भीलाला एवं कोरकू जनजातियों की सामान्य जानकारी ।

Suggested Book :

1. Bose, N.K. : (1967) Culture and Society in India (Asia Publishing House).
2. Desai, A.R. : (1979) Peasant in India (Oxford ujiversity Press, Bombay)
3. Dubey, S.C. (1977) : Peasant Struggles in India (New Delhi : Vikas).
4. Haimendorf, Christoph von : (1982) Tribes of India; The Struggle for Survial (Oxford University Press).
5. Hansnain, N : (1983) Tribes in India (Harnam Publications, New Delhi).

Political Science
B.A. II Year
Paper – First
(Political Thought and Ideologies)

Objectives : The main object of this paper is to give students the knowledge of India and Western political thought along with ideologes.

Unit I – Characteristics of Ancient India Political Thought ; Kautilya ;
Raja Ram Mohan Roy ; Dayanand Saraswati ; Vivekananda ;

Unit II -Gopal Krishna Gokhale ; Lokmanya Gandhi ; Dr. B.R. Amvedkar. Dr. Ram Manohar Lohia

Unit III -Characteristic of Greek Political Thought ; Plato – Justice, Education, Communism, Ideal State.Aristotle : State, Slavery, Constitutions, Revolutions, Aristotle as the first Scientific political thinker

Unit IV - Machiavelli as the first modem political thinker ;Rousseau ;
Founders of Utilitarianism – Jeremy Bentham
Joha Stuart Mill – Ideology of Individualism.

Unit V - Idealist Thinkers – Hegel, T. H. Green ;Scientific Socialism – Karl Marx ;Horald j. Laski.

Reading :

(1) D.G. Dalton, India's idea of Freedom : Political Thought of Swami Vivekanand, Auronindo Ghose, Mahatma Gandhi and Rabindranath Tagore, Delhi, Academic Press, 1982.
(2) K.P. Karunakaran, Modern India Political Tradition, New Delhi, Allied Publishers, 1962.
(3) S. Mulherjee, Gandhian Thought : Marxist interpretation, New Delhi Deep & Deep, 1991.
(4) T. Pantham, and K. Deustch (eds.), Political thought in Morden India, New Delhi, Sage, 1986.

बी. ए. द्वितीय वर्ष
प्रश्नपत्र प्रथम
(राजनीतिक विचारक एवं विचारधाराएँ)

उद्देश्य – इस पाठ्क्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रमुख रूप से भारतीय एवं पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन का ज्ञान उपलब्ध कराना है ।

इकाई – 1

प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन का स्वरूप ।
कौटिल्य
राजाराममोहन राय
दयानन्द सरस्वती
विवेकानन्द

इकाई –2

गोपाल कृष्ण गोखले
लोकमान्य तिलक
महात्मा गांधी
डॉ. बी. आर. अंबेडकर

इकाई – 3

यूनानी राजीतिक चिंतन का स्वरूप ।
प्लेटो – न्याय, शिक्षा, साम्यवाद, आदर्श राज्य ।
अरस्तू – राज्य, दासता, संविधान, क्रांतियॉ, अरस्तू प्रथम वैज्ञानिक राजनीतिक विचारक के रूप में ।

इकाई – 4

मैकियावली एक प्रथम आधुनिक राजनीतिक विचारक
रूसों
जर्मी बैंथम : उपयोगितावाद के प्रवर्तक
जॉन स्टूअर्ट मिल : व्यक्तिवादी विचारधारा

इकाई – 5

आदर्शवादी विचारक हीगल, टी. एच, ग्रीन
वैज्ञानिक समाजवाद – कार्ल मार्क्स
हैराल्ड लास्की

अनुशंसित पुस्तकें –

1. राजनीतिक चिंतन का इतिहास । डां. बी. आर. पुरोहित
2. प्रतिनिधि राजनीतिक विचारक 85/– एवं राजनीतिक विचारधाराएँ सं. डॉ. पुरोहित, बी. आर. ।
3. डॉ. गोविन्द प्रसाद नेमा, प्रो. हैरॉल्ड जे. लास्की के राजनीतिक विचारो का अध्ययन ।
4. डॉ. बी. आर. पुरोहित : प्रतिनिधि राजनैतिक विचारक (म. प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल द्वारा प्रकाशित) ।
5. डॉ. श्याम प्रसाद दुबे : आधुनिक राजनैतिक विचारधाराएं (म. प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल द्वारा प्रकाशित) ।

Political Science
B.A. II Year
Paper – Second
(Comparative Government and politics of U.K., U.S.A., China and Switzerland)

Objectives : This paper studies the major constitution of the world by adopting a comparative approach.

Unit I : U.K.

Salient features, Exective, Legislature and Judiciary, Political Parties.

Unit II U.S.A.

Salient features, Federal Executive, Legislature and Judiciary, Political Parties.

Unit III China

Salient features, Central Executive, Legislature and Judiciary, Organisaton and working of Communist Party.

Unit IV:Switzerland

Salient features, Federal Executive, Legislature and Judiciary, Direct Democracy.

Unit V: Comparative study of the Condtitutions

1. Constitution Amendment : U.S.A., Switzerland
2. Federal system : U.S.A., Switzerland
3. Second Chambers : House of Lords, Senate
4. President of U.S.A., British Prime Minister and Swiss Plural Executive
5. Political Parties and party systems – U.S.A., U.K. and China
6. Women and Political Process.

Readings :

1. Munro : Government of Europe
2. Munro : Govt. of U.S.A.
3. C.F. Strong : Modern Political Constitution
4. K.C. Wheare : Modern Constitution
5. Macridis and ward : Modern Political systems

राजीनिति विज्ञान
द्वितीय प्रश्नपत्र
तुलनात्मक सरकारें एवं राजनीति

उद्देश्य : इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को समकालीन विश्व की महत्वपूर्ण शासन प्रणालियों का तुलनात्मक ज्ञान करवाना है ।

इकाई 1 : ब्रिटेन – प्रमुख विशेषताऐं, कार्यपालिका, व्यवस्थापिका, न्यायपालिका और राजनीतिक दल ।

इकाई 2 :संयुक्त राज्य अमेरिका (यू. एस. ए.) – प्रमुख विशेषताऐं, संघीय न्यायपालिका, व्यवस्थापिका और न्यायपालिका एवं राजनीतिक दल ।

इकाई 3 :जनवादी चीन – प्रमुख विशेषताऐं, केद्रीय कार्यपालिका, व्यवस्थापिका और न्यायपालिका, साम्यवादी दल का संगठन और कार्य प्रणाली ।

इकाई 4 :स्विटजरलैंड – प्रमुख विशेषताऐं, संघीय कार्यपालिका, व्यवस्थापिका एवं न्यायपालिका, प्रत्यक्ष प्रजातंत्र

इकाई 5 :तुलनात्मक अध्ययन –

संविधान संशोधन : सं. रा. अमेरिका, स्विट्जरलैंड
संघीय व्यवस्था : सं. रा. अमेरिका, स्विट्जरलैंड
द्वितीय सदन : लार्ड सभा, सीनेट
अमेरिका का राट्रपति, ब्रिटिश प्रधानमंत्री तथा स्विट्जरलैंड की बहुल कार्यपालिका ।
राजनीतिक दल एवे दलीय व्यवस्था : सं. रा. अमेरिका, ब्रिटेन एवं चीन । महिलाएं एवं राजनैतिक प्रकिया

अनुशंसित पुस्तके :

1. मुनरो	:	गवरमेंट ऑफ यूरोप
2. मुनरो	:	गवरमेंट ऑफ यू. एस. ए.
3. सी. एफ. स्ट्रांग	:	मार्डन पोलिटिकल कांस्टिट्यूशन
4. के. सी. विहरे	:	मार्डन कांस्टिट्यूषन
5. मेकरिडिस एवं वार्ड	:	मॉडन पालिटिकल सिस्टम ऑफ यूरोप
6. ए. सी. कपूर	:	सेलेक्ट कांस्टिट्यूषंस ऑफ द वर्ल्ड
7. डॉ. पुखराज जैन	:	प्रमुख संविधान

बी. ए. द्वितीय वर्ष
विषय – हिन्दी साहित्य
प्रश्नपत्र प्रथम : अर्वाचीन हिन्दी काव्य

निम्नलिखित कवि एवं उनकी कविताऐं (व्याख्या एवं आलोचना प्रश्न के लिए)

1. मैथलीशरण गुप्त 5 कविताएं
2. जयशंकर प्रसाद 5 कविताएं
3. महादेवी वर्मा 5 कविताएं
4. माखनलाल चतुर्वेदी 5 कविताएं
5. स.ही. वात्स्यायन अज्ञेय 5 कविताएं

(कवियों की पांच – पांच कविताओं के चयन हेतु चयनकर्ता की अधिकृत किया जाता है)

द्रुत पाठ्य हेतु निम्नलिखित तीन कवि – (किन्ही दो पर लघु उत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे)

1. सुभद्रा कुमारी चौहान
2. वीरेन्द्र मिश्र
3. दुश्यंत कुमार

बी. ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय प्रश्न पत्र
हिन्दी भाषा – साहित्य का इतिहास एवं काव्यांग विवेचन

इस प्रश्नपत्र का पाठ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मॉडल पाठ्यक्रमानुसार यथावत् स्वीकृत किया गया है जिसमें (ग) काव्यांग विषय में चुनाव हेतु संपादक मंडल को अधिकृत किया गया ।

प्रस्तावना :–

हिन्दी भाषा का इतिहास जितना प्राचीन है उतना ही गूढ़ – गहन भी । इसमे रचित साहित्य ने लगभग डेढ़ हजार वर्षो का इतिहास पूरा कर लिया है । इसलिए हिन्दी भाषा और साहित्य के ऐतिहासिक विवेचन की बड़ी आवश्यकता है । इसी के साथ – साथ हिन्दी ने अपना जो स्वतंत्र साहित्य – शास्त्र निर्मित किया है उसे भी रूपायित करने की आवश्यकता है । इसके संज्ञान द्वारा विद्यार्थी की मर्मग्राहिणी प्रतिभा का विकास होगा और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शुद्ध साहित्यिक विवेक का सन्निवेष होगा ।

इस प्रश्नपत्र मे तीन उपभाग होगे –

(क) हिन्दी भाषा का स्वरूप – विकास
(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास
(ग) काव्यांग परिचय

पाठ्यविषय

(क) हिन्दी भाषा स्वरूप–विभिन्न – हिन्दी की उत्पत्ति, हिन्दी का मूल आकार भाषाऍं तथा विभिन्न विभाषाओं का विकास । हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप – 1. बोलचाल की भाषा, 2. रचनात्मक भाषा, 3. राश्ट्रभाषा, 4. राजभाषा, 5. संपर्क भाषा 6. संचार भाषा,।
हिन्दी का शब्द भंडार–तत्सम्, तद्भाव, देशज, आगत, शब्दावली

(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास – आदिकाल, पूर्वमध्यकाल, उत्तरमध्यकाल और आधुनिक काल की सामाजिक – राजनीतिक – सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख युग – प्रवृत्तियॉं, विशिष्ट रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि कृतियॉं, साहित्यिक विशेषताऍं।

(ग) काव्यांग काव्य का स्वरूप, हेतु एवं प्रयोजन । रस के विभिन्न भेद, प्रमुख छंद, पॉच शब्दालंकार पॉच अर्थालंकार (इनका निर्धारण संबंधित संपादन मण्डल द्वारा किया जाएगा ।)
सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि संपादक मण्डल का संबंधित पुस्तकों में चयन निम्नलिखित होगा ।

Class : B.A./B.Sc. Part Two
Subject : Economics
Part I
Title of the paper : Macro Economics and Public Finance

Unit I National Income and Social Accounts :

Concepts of National Income – G.D.P., G.N.P., N.N.P., Nominal and Real Income Measurement of national Income and Social Accounting. Environmental Problems – Deforestation, Child Labour , Water and Air Pollution and their Income Implications.

Unit II Output and Employment

Classical Theory, Keynesian Theory – Aggregate Demand and Supply Functions and Effective demand, Propensities to Consume and Save/Invest. Primciples of Multplier and Accelerator.

Unit III Rate of Interest

Classical Theory – Abstinence and Waiting. Neo – classical Theory – Loanable Fund Keynesian Theory of Liquidity Preference. Neo – Keynesian theory – IS & LM curves.

Unit IV Public Finance

Public Finance and public Economics : Meaning, Nature and Scope. Meaning and nature of Public, Merit and Privet Goods, Market and State – Role and Functions, Principal of Maximum Social Advantage. Sources of Revenue – Taxes, Loans, Grants and Aids – Meaning and types. Canons of Taxation. Principles of Public Expenditure, Principles of Public Debt and Methods of Redemption.

Unit V Public Finances in India

Sources of Revenue of Central and State Goverments, Concept and Types of Budget, Fiscal Deficit Financing and Deficit Budget – Meaning. Recommendations of last Finance Commission. Last Budget of Central and Madhya Pradesh Goverments.

Recommended Book

- Day, A.C.L. (1960), Outline of Monetarv Economics, Oxford University Press, Oxford.
- Gupta, S.B. (1994), Monetary Economics, S Chand and Co., Delhi.
- Heijdra, B.J. and F.V. Ploeg (2001), Foundation of Nodern Macroeconomics, Oxford University Press, Oxford.
- Lewis, M.K. and P.D. Mizan (2000), Monetary Economics Oxford University Press, New Delhi.
- Shapiro, E. (1996) Macroeconomic Analysis, Galgotia Publication, New Delhi.
- Dillard, D. (1960), The Economics of John Mavnard Keynes, Crossby Lockwood and Sons, London,
- Hanson, A.H. (1953) A Guide to Keynes, Mc Graw Hill, New York.

बी. ए. /बी. एससी. द्वितीय वर्ष
विषय : अर्थशास्त्र
प्रश्न पत्र : प्रथम
समष्टि अर्थशास्त्र एवं सार्वजनिक वित्त

इकाई – 01 राष्ट्रीय आय एवं सामाजिक लेखांकन :–

राष्ट्रीय आय की अवधारणा, कुल घरेलू उत्पाद, कुल राष्ट्रीय उत्पाद, शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद, राष्ट्रीय आय का माप एवं सामाजिक लेखांकन । पर्यावरणीय समस्याएं वन – विहीनीकरण, बाल श्रम, जल एवं वायु – प्रदूषण एवं राष्ट्रीय आय सम्बन्धी निहितार्थ ।

इकाई – 02 उत्पादन एवं रोजगार :–

परम्परावादी सिद्धांत,कीन्स का सिद्धान्त, समग्र मांग एवं पूर्ति फलन तथा प्रभावपूर्ण मांग, उपभोग एवं बचत/विनियोग प्रवृत्ति, गुणक एवं त्वरक सिद्धान्त ।

इकाई – 03 ब्याज की दर :–

परम्परावादी सिद्धान्त – अपरिग्रह एवं प्रतीक्षा, नव – परम्परावादी सिद्धान्त – उधार देय कोष सिद्धांत, कीन्स का तरलता पसन्दगी सिंद्धान्त , नव – कीन्सियन सिद्धांत – IS एवं LM वक्र ।

इकाई – 04 लोक वित्त :–

सार्वजनिक अर्थशास्त्र एवं सार्वजनिक वित्तः अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र, सार्वनजिक, गुण एवं निजी वस्तु – अर्थ एवं प्रकृति, अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धांत । आगम के स्त्रोत – कर, ऋण, अनुदान एवं सहायता – अर्थ एवं प्रकार । करारोपण के सिद्धांत, सार्वजनिक व्यय के सिद्धांत सार्वजनिक ऋण के सिद्धांत एवं शोधन विधियॉ ।

इकाई – 05 भारत में लोक वित्त :–

केन्द्र एवं राज्य सरकार के आय के स्त्रोत, बजट की अवधारणा एवं प्रकार, राजकोषीय घाटे की वित्त व्यवस्था एवं घाटे का बजट – अर्थ पिछले वित्त आयोग की सिफारिशें, केन्द्र एवं मध्यप्रदेश राज्य का पिछला बजट ।

B.A./B.Sc. Part Two
Subject : Economics
Paper II
Money, Banking and International Economics

Unit I Basic Concepts and Theories of Money

Money – meaning fuctions and classification; Gresham's law; Quantity Theory of Money – Cash Transacation and Cash Balance Approaches; Keynesian Approach; Infation, Deflations and Recession, Definition, Types of Clauses and Effects on Segments of population and Different Sectors of the Economy Demand – Pull and Cost – Push Infation, Measures to Control Infaction, Deflation and Recession

Unit II Banking

Bank – Meaning and Types. Central Bank and Its Functions with reference to RBI. Credit Control. Qualitative and Quantitative Methods. Objectives and Limitations of Monetary Policy. Fuctions of Commercial Banks, Meaning and Method of Credit Creation. Recent Reforms in Banking Sectors and Cheap Money Policy.

Unit III International Economics

Meaning and Importance of International Economics. Intra and International Trade. Theories of International Trade: Absolute and Comparative Advantage, Factor Endowments : Heckscher – Ohlin.

Unit IV Gains from Trade

Nature find types of Trade and Growth Gains. Current pattern of Distribution of Gains of Trade between Developed and Developing country. Terms of Trade : Concept and types, Contribution to growth.

Unit V Commercial Policies and Balance of Payments

Balance of Trade – Concept Types of Composition and Structure of Bot its Relationship with Balance of Payments. Methods of Correction of Imbalance of Payments. Commercial Policies. International Labour Standard and Environmental concerns. Barriers to exports from the Third word IMF, IBRD ans WTO.

Recommended Books

- Kindlberger, C.P. (1973), International Economics, R.D. Irwin, Homewood.
- Krugrman, P.R. and M. Obstgeld (1994), International Economics : Theory and Policy Glenciew, Foresman.
- Gupta, S.B. (1994), Monetary Economics. S. Chand & Company New Delhi.
- Mithani, D.M. (1981), Macroecomomic Anal ~ sis and Policy, Oxford & IBH, , New Delhi.
- Day, A.C.L. (1960), Outline of Monetar Economics Oxford University Press, Oxford.

कक्षा : बी. ए. /बी. एससी. द्वितीय वर्ष
विषय : अर्थशास्त्र
प्रश्न पत्र : द्वितीय
मुद्रा बैंकिंग एवं अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र

bdkbZ & 1 eqnzk dh vk/kkjHkwr vo/kkj.kk ,oa fl)kar A
eqnzk & vFkZ] dk;Z ,oa oxhZdj.k A xzs'ke dk fu;e A eqnzk dk ifj.kkRed fl)kar
udn & 0;ogkj ,oa udn & 'ks"k nf"Vdks.k] dhUl dk nf"Vdks.k] eqnzk & LQhfr] eqnzk & foLQhfr] voLQhfr ,oa eanh A eqnzk & LQhfr ,oa jkstxkj & fQfyIl oØ A
bdkbZ & 2 cSafdax
cSad & vFkZ ,oa izdkj A dsUnzh; cSad ,oa mlds dk;Z] fjtoZ cSad vkQ bafM;k ds lanHkZ esa lk[k fu;a=.k & ifjek.kkRed ,oa xq.kkRed fof/k;ka A ekSfnzd uhfr ds mn~ns'; ,oa lhek,a A 0;kikfjd cSadksa ds dk;Z A lk[k & fuekZ.k dk vFkZ ,oa fof/k;ka] cSafdax ds vk/kqfud lq/kkj ,oa lLrh eqnzk uhfr A
bdkbZ & 3 vUrjkZ"Vªh; vFkZ'kkL=
vUrjkZ"Vªh; vFkZ'kkL= dk vFkZ ,oa egRo] vUrjk ,oa varjkZ"Vªh; 0;kikj A
vUrjkZ"Vªh; 0;kikj ds fl)kar fujis{k ,oa lkis{k ykHk A
lk/ku & ifjlEifRr **(Factor Endowment)** ¼gsDlj&vksgfyu½
bdkbZ & 4 0;kikj ls ykHk
0;kikj ,oa fodkl ykHk dh vo/kkj.kk o izdfr] fodfIr ,oa fodkl'khy ns'kksa esa 0;kikj ds ykHkksa ds forj.k dh vk/kqfud izofRr A 0;kikj & 'krsZ & vo/kkj.kk ,oa izdkj ,oa mlds fodkl esa ;ksxnku A
bdkbZ &5 0;kikfjd uhfr;ka ,oa Hkqxrku lUrqyu
0;kikj lUrqyu & vo/kkj.kk ,oa izdkj] lajpuk ,oa <kapk A Hkqxrku lUrqyu ls blds lEca/k] Hkqxrku vlUrqyu dks lq/kkjus ds mik;] 0;kikfjd uhfr;ka & vFkZ ,oa izdfr A 0;kikfjd miDj.k ds :Ik esa rVdj ,oa vrVdj mik; A rhljh fo'o ds fu;kZr ds ekxZ esa vojks/k & varjkZ"Vªh; Je ekud ,oa i;kZoj.k ds lEca/k esa A

B.A. Part II

HISTORY

PAPER – I : HISTORY OF INDIA FROM 1200 A.D. TO 1739 A.D.

Objectives : The imperial forces found roots in India during Sultanate Period. The system however, lackedthe elements of stability and consequently witnessed frequent changes in the dynastic tule. However, the administrative and political consolidation under Akbar resulted in composite administrative governance in India, later with the decline of the Mughals in India fragmentation of socio – political system in India was evident primarily due to the inherent weakness of administrative class which brought about disintegration. However, despite administrative failure, the socio – cultural fabrics of India sustained and process of assimilation continued. Despite the frequent changes in the Ruling Classes the Socio Economical Structure was not disturbed.

Unit – I

1. Survey of Sources of Medieval Indian History
2. Foundation and Consolidation of the Sultanate
3. Qutubuddin Aibak and Iltutmish
4. Razia and Balban
5. The Mongol invasion
6. Alauddin Khalji – His Conquest and reforms.

12 Lectures

Unit – II

1. Tughalaq – Mohammad Bin Tuglaq. Firuz Shah Tughlaq.
2. Fragmentation of Sultanate and Rise of Provincial Kingdoms – Vijaynagar and Bahamani Kingdoms.
3. Timir's invasion and its impact
4. Invasion of Mughals – Babur and Humayun Shershah Suri

12 Lectures

Unit – III

1. Consolidation and Territorial Exoansion of Mughal Empire – Akbar
2. Mughal Rajput Ralations – Maharana Pratap
3. Jahangir, Shahjahan, Mughal – Sikh Relations.
4. Rise of Marathas, Shivaji – His Conquest and Administration
5. Aurangazeb and decline of Mughal Empire, Nadirshah's invasion and its impact.
6. Advent of Europenans.

12 Lectures

Unit – IV Sultanate Period

1. Social and Religious Life during the Sultanate Period – Bhakti and Sufi Movement.
2. Economic Life during Sultanate period – Industry, Trade and Agriculture
3. Administrative System during Sultanate Period

12 Lectures

Unit – V

1. Mughal Administration and Institutions
2. Mansabdari System
3. Social and Religious Life during the Mughals, Status of Women
4. Economic Life during the Mughals – Agriculture, Trade, Commerce.
5. Architecture during the Mughals.

बी. ए. द्वितीय वर्ष
विषय : इतिहास
प्रश्नपत्र : भारत का इतिहास सन् 1200 से 1739 ई.

उद्देश्य :सल्तनत काल में भारत में साम्राज्यवाद की जड़े गहरी हुई परंतु फिर भी इस व्यवस्था में स्थायित्व नही था । क्योंकि लगातार राज्यसत्ता परिवर्तित होती रही । अकबर के काल में भारत में शासकीय एवं राजनैतिक सुसंगठन के कारण प्रशासकीय अधोसंरचना के एकरूपता स्थापित हुई । बाद में मुगलों के पतन के साथ भारत में सामाजिक राजनैतिक विखंडीकरण दृष्टिगोचर होने लगा जो संभवतया प्रशासनिक शिथिलीकरण का परिणाम था यद्यपि, इस प्रशासनिक शिथिलीकरण के बावजूद भारत की सामाजिक सांस्कृतिक संरचना अक्षुण्ण रही तथा समन्वय की प्रक्रिया अनवरत रही ।

इकाई प्रथम
1. मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्त्रोत एवं सर्वेक्षण ।
2. दिल्ली सल्तनत की स्थापना –कुतुबुद्दीन ऐबक और इल्तुतमिष ।
3. रजिया बेगम, बलबन ।
4. मंगोल आक्रमण ।
5. अलाउद्दीन खिलजी की विजयें, और सुधार ।

इकाई द्वितीय
1. मोहम्मद – बिन – तुगलक, फिरोज शाह तुगलक ।
2. दिल्ली सल्तनत का विकेन्द्रीकरण और प्रान्तीय शक्तियों का उदय।
3. तैमूर का आक्रमण और उसका प्रभाव ।
4. मुगल आक्रमण – बाबर और हमायू । शेरशाह सूरी ।

इकाई तृतीय
1. मुगल साम्राज्य का सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार – अकबर ।
2. मुगल राजपूत सम्बन्ध, महाराणा प्रताप ।
3. जहॉगीर और शाहजहॉ, मुगल सिक्ख सम्बन्ध ।
4. मराठों का उत्कर्ष, शिवाजी की विजयें एवं उनका प्रशासन ।
5. औरंगजेब और मुगल साम्राज्य का पतन, नादिरशाह का आक्रमण एवं उसके प्रभाव
6. यूरोपियनों का आगमन

इकाई चतुर्थ
सल्तनत काल
1. सल्तनत कालीन, सामाजिक, धार्मिक जीवन –भक्ति आंदोलन।
2. सल्तनत काल में आर्थिक जीवन –उधोग धंधे और कृषि ।
3. प्रशासनिक व्यवस्था ।

इकाई पंचम
मुगल काल
1. मुगल प्रशासन एवं संस्थाएँ।
2. मनसबदारी व्यवस्था ।
3. सामाजिक एवं धार्मिक जीवन स्त्रियों की स्थिति ।
4. आर्थिक जीवन कृषि, व्यापार, वाणिज्य ।
5. स्थापत्य कला

अनुशंसित पुस्तकें

1. श्रीवास्तव ए. एल. भारत का इतिहास
2. श्रीवास्तव ए. एल. दिल्ली सल्तनत
3. श्रीवास्तव ए. एल. मुगल कालीन भारत
4. हबीब उल्लाह, भारत में मुस्लिम शासन की बुनियाद
5. मजूमदार, राय चौधरी एवं दत्त, भारत का वृहद इतिहास खण्ड – 2
6. पंजाबी बी. के. भारत का इतिहास (1206 – 1761)
7. हबीब एवं निजामी, दिल्ली सल्तनत
8. वर्मा हरिषचन्द्र, मध्यकालीन भारत (750 – 1540)
9. शर्मा कालूराम एवं व्यास प्रकाश, मध्य कालीन भारतीय संस्कृति
10. सक्सेना आर. के. दिल्ली सल्तनत

B.A. II

HISTORY

PAPER – II : MAIN CURRENTS OF WORLD HISTORY FROM 1871 – 1945 A.D.

Object : Imperialism and Colonialism wear direct outcome of the power struggle in Europe, generated by the impact of Nationalism and Industrial Revolution, These force ultimately led to the birth of Capitalism. The forces at World Wars I and II indulged in ideological claashes and the process of disintegration began. The anti – imperial colonial forces in the World Politics coupled with Soviet Revolution are to be Studied in detail. The emergence of Non – Aligned Movenent and Kindling of the Spirit of Nationalism in nations under the imperialistic sway shound be introduced briefly.

The Syllabus is divided into five units as follows :

Unit – I

1. Third Republic of France.
2. Bismark Internal and Foreign Policy
3. Foreign Policy of William I
4. Scramble for Africa.

Unit – II

1. Eastern Question (From 1871)
2. Berlin Congress (1878)
3. Young Turk Movement and Balkanwars (1912 – 13)
4. First World War – Causes, events and aftermath
5. Russian Revolution of 1905 and 1917

Unit – III

1. 14 Points of Wilson
2. Paris peace Conference
3. League of Nations
4. Risa of Fascism :- Mussolini – Internal and foreign Policy
5. Nazism :- Hitler Internal and Foreig Policy.

Unit – IV

1. Imperialism and Colonialism in China Japan. Demand for concessions inChina.
2. Japan – The Meiji Restoration – Modernization of Japan. Rise of Militatism.
3. Sino – Japanese war, (1894). Russo – Japamese War (1905)
4. Boxer Movment. Chinese revolution – 1911. Sino – Japanese War II.

Unit – V

1. World Polities From 1919 – 1939, Causes, events and effects of the II World War

बी. ए. द्वितीय वर्ष
विषय : इतिहास
प्रश्नपत्र द्वितीय विश्व इतिहास की प्रमुख धाराएँ 1871 सं 1945 ई.

उद्देश्य : यूरोप में राष्ट्रवाद और औद्यौगिक क्रांति के प्रभाव में प्रमुख शक्तियों को साम्राज्यवादी एवं औपनिवेषिक प्रवृत्तियों की और उन्मुख होते हुए देखा गया । इसकी सीधी परिणति पूंजीवाद के रूप में सामने आई । प्रभावशाली शक्तियों ने सैद्धांतिक को इतना अधिक बढ़ावा दिया कि विघटन की प्रवृत्ति प्रारंभ हुई । तथा विश्व महायुद्ध की ओर अग्रसर हुआ ओर फिर द्वितीय महायुद्ध भी न रोका जा सका । इस दौरान साम्राज्यवाद एवं उपनिवेषवाद विरोधी चेतना – युवा तुर्क आन्दोलन और रूस में क्रांति सहित इतिहासबद्ध हुई । इसका सविस्तार अध्ययन इस उद्देश्य से अपेक्षित है कि इसमें असंलग्नता आंदोलन के उदय की प्रवृत्ति अंतर्निहित रही ।

पाठ्यक्रम निम्नानुसार पॉच इकाईयों में विभाजित है :–

इकाई प्रथम

1. फ्रांस का तृतीय गणराज्य
2. विस्मार्क – गृह विदेश नीति ।
3. विलियम प्रथम की विदेश नीति ।
4. अफ्रीका का विभाजन ।

इकाई द्वितीय

1. पूर्वी प्रश्न (1871 से)/
2. बर्लिन कांग्रेस (1878)/
3. युवा तुर्क आंदोलन, बल्कान युद्ध (1912 – 13)
4. प्रथम महायुद्ध – कारण, घटनाएँ और उत्तरगामी प्रभाव ।
5. रूस में 1905 और 1917 की क्रांति ।

इकाई तृतीय

1. विल्सन के चौदह सूत्र
2. पेरिस का शांती सम्मेलन ।
3. लीग ऑफ नेशन्स (राष्ट्र संघ)
4. फासीवाद का उदय – मुसोलिनी गृह विदेश नीति ।
5. नाजीवाद हिटलर–गृह एवं विदेश नीति।

इकाई चतुर्थ

1. चीन और जापान में उपनिवेषवाद ओर साम्राज्यवाद – चीन में सुविधाओं की मॉग।
2. जापान मैइजी पुर्नस्थापना आधुनिकीकरण, सैन्य प्रशासन का उदय
3. चीन जापन युद्ध 1894ए रूस जापान युद्ध (1905)
4. बॉक्सर युद्ध चीनी क्रांति – 1911
5. द्वितीय जापान युद्ध ।

इकाई पाँच

दोनो महायुद्धो के मध्य विश्व राजनीति ।
द्वितीय महायुद्ध – कारण, घटनाएँ एवं प्रभाव ।

Suggested Readings :

1. Robert J.M., Europe 1880 – 1945 (Longman, 1989)
2. E. Lipson, Europe in the 9th and 20th Century.
3. C.J.H. hayes, Modern Europe (Surjeet Publication)
4. Grant and Temperley, Eurrope in the 19th and 20th Century (Also Hindi Version)
5. C.D.M. Kettelbey, History of Morden Times
6. Moon, Imperialism in World Politics
7. Panikkar K.M. Asia and Western Dominance
8. Fay, Origin of the World War
9. Manzir Ahmad, यूरोप का इतिहास
10. विद्यालंकार सत्यकेतु,सुदूर पूर्व का इतिहास
11. वर्मा, डॉ भगवाना सिंह, विष्व इतिहास की प्रमुख धाराएँ (1871 – 1956) (म. प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी का प्रकाषन)
12. डॉ. पंजाबी, पष्चिम के आधुनिक इतिहास का इतिहास (1798 – 1945)
13. षर्मा डॉ. मथुरालाल, यूरोप का इतिहास (1798 – 1945)
14. अहमद लाईक, आधुनिक विष्व का इतिहास

B.A. Part II [English Literature
Paper I – Reading Poetry

Unit -I Annotations

Unit-II 1. Thomas Gray - Elegy Written in a Country Churchyard.
2. William Colins - Ode to Evening.
3. Matthew Arnold - Dover Beach.

Unit-III 1. Sylvia Plath - morning Song
2. Christina Rossetti - Spring Quiet.

Unit-IV 1. G.M. Hopkins - Pied Beauty.
2. W.H. Auden - The Unknown Citizen.

Unit V Prosody, figures of speech and forms of poetry.

A. Prosody

1. Heroick couplet.
2. Blank Verse.
3. Free Verse.
4. Metrical Patterns - Iambic, Trochanic.

B. Figures of speech

1. Simile
2. Metaphor
3. Antithesis
4. Oxymoron
5. Paradox
6. Personification
7. Pathetic Fallacy
8. Irony
9. Onomatopoeia.
10. Alliteration
11. Metonymy
12. Synecdoche

C. Forms of Poetry

1. Lyric
2. Ode
3. Sonnet
4. Elegy
5. Satire

Unit VI : Practical Criticism

Two poetic passages to be set, one to be attempted.

TEXT - BOOK PRESCRIBED –

An Anthology of English Literature for B.A. Part – II
(Publisher – Madhya Pradesh Hindi Granth Academy, Bhopal).

Suggested Reference Book :

1. R.N. Bose & T.S. Sterling Elements of English Rhetoric and Prosody (Chuckervertty, Chatterjee, Calcutta, 1981).
2. Bernard Bank Stone, Practical English Prosody (Longman, 1965).
3. A Background to the study of English Literature – B. Prasad.
4. Seturaman – Practical Criticism.

B.A. Part II [English Literature]

Paper II – Reading of Fiction and Drama

Unit I : Annotations.

Section A – Fiction

Unit II: Thomas Hardy – far from the Madding Crowd. (Non - detailed)

Unit III : Oscar Wilde – The Happy Prince.

O. Henry – The Gift of the Magi

Section B – Drama

Unit IV : William Shakespeare – Macbeth.

Unit V: J.M. Synge – Riders to the sea.

Unit VI : H.H. Munro – The Miracle Mercant.

Text Book Prescribed:
An Anthology of English Literature for B.A. Part – II
(Publisher – Madhya Pradesh Hindi Granth Academy, Bhopal).

B.A./B.Sc. (General) Part II

GEOGRAPHY

There shall be two Theory papers and one Practical of 50 marks each in B.A./BSc. Part II. The nomenclature of these papers will be as noted below.

Paper I : Physical Geography II (Climatology and Oceanography)

Paper II : Economic Geography.

Paper III : Practical Geography – Cartography & Surveying II

Note :

1. Each theory paper shall be of 3 hours' duration.
2. Each theory paper will be divided into FIVE units and candidates will have internal choice within unit.
3. (a) The time and division of marks in practical Examination shall be as follows:

(i)	Leb. Work	20 marks	2 Hours
(ii)	Surveying	15 marks	2 Hours
(iii)	Practical Record	10 marks	
(iv)	Vova – voce	05 marks	

(b) The external and internal examiners shall jointly submit marks for practical examination.

(c) Candidates Shall submit at the time of Practical examination their Practical Records duly signed by the teacher concerned with dates.

(d) Session marks in Geography mean marks awarded for the Practical Record as provided under sub – clause 3 (a) above.

B.A./B.Sc. (General) Part II

GEOGRAPHY

Paper I : Physical Geography II (Climatology and Oceanography)

Objectives

- This paper on Physical Geography is structured into components of Climatology and oceanography. The aspects of Climatology emphasize the constituents of the atmosphere, the dynamic nature of the processes associated with it and their contribution in making the earth and consequences of human activities to the atmospheric processes.
- The component of oceanography similarly deals with the coastal processes and describes the vast and diversified resources the oceans the hold.

Course Contents :

A. Climatology

Unit I Weather and climate; definition and significance of climatology; elements of weather and climate. Composition and structure of the atmosphere.

Atmospheric temperature : Insolation and factor affection the distribution of insolation, heat balance; vertical, horizontal and seasonal distribution of temperature.

Atmospheric pressure and winds; vertical and horizontal distribution of pressure; Planetary, periodic and local winds.

Unit II Atmospheric moisture: humidity, evaporation and condensation; hydrological cycle; types of precipitation; world patterns of rainfall : regional and seasonal distribution.

Air masses and fronts : origin, classification and properties.

Atmospheric disturbances : tropical and temperate cyclones – theories of their and associated weather; thunderstorms and tornadoes.

Unit III Climatic classification : basis of Koppen's classification and types – distribution,

Characteristics and related plant and animal life.

Role of climate in human life; atmospheric pollution and global warming – general causes, consequences and measures of control.

B. Oceanography

Unit IV Relevance of oceanography and atmospheric sciences. Surface configuration of the ocean floor, continental shelf, continental slope, abyssal plain, mid – oceanic and oceanic trenches; Relief of Atlantic, pacific and Indian oceans. Distribution of temperature and salinity in oceans and ses.

Unit V Circulation of oceanic waters: waves tides and currents; currents of Atlantic, Pacific and Indian oceans. Marine deposits and coral reefs; coastal environment. Oceans an storehouse of resources for the future.

Suggested Readings :

Climatology

Barry, R.G. & R.J: Chorley. Atmosphere, Weather and Climate. Routlededge, 1998

Critchfield, H. General Climatology. Prentice – Hall York 1975.

Das, P.K. The monsoon. National Book Trust of India, New Delhi, 1968.

Lal, D.S. Climatology. Allahabad.

Stringer, G.T. Foundation of Climatology Surjeet Publication, Delhi, 1982.

Trewatha, G.T. Introduction to Climate International Student edition, McGraw Hill, New York, 1980.

चैबे कैलाश एवं विजया फणसे : भूगोल के भौतिक आधार – जलमंडल एवं वायुमंडल म. प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल

जोशी, यशवन्त अनुवादक : सामान्य जलवायु विज्ञान, म. प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

पवार आर. एस. : भौतिक भूगोल

तिवारी ए. के. जलवायु विज्ञान के मूलतत्व, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

Oceanography

Anikouchine, W.A & R.W. Sternberg. The World Oceans – An Introduction to Oceanography.

Englewood Cliff, NJ 1973.

Grald, S. General Oceanography – An Introduction. John Wiley and Sons, New York

Garrison, T. Oceanography for Geographers. Edward Arnold, London, 1975.

Sharma, R.C. & M. Vatel. Oceanography for Georaphers. Chetnya Publishing House, Allahabad, 1970. Singh, Savindra. Physical Geography. Prayag, Allahabad, 2000.

बी. ए./बी. एस. सी. (सामान्य) भाग II

भूगोल

प्रश्न पत्र – प्रथम

भौतिक भूगोल II (जलवायु विज्ञान एवं समुद्र विज्ञान)

उद्देश्य

भौतिक भूगोल का यह प्रश्न पत्र जलवायु विज्ञान एवं समुद्र विज्ञान में विभक्त है जलवायु विज्ञान के तत्वों मे वायुमण्डलीय घटक, इससे संबंधित प्रक्रियाओं की गत्यात्मक प्रकृति और पृथ्वी को निवास योग्य बनाने में इनके योगदान पर बल दिया गया है । विषय सूची पृथ्वी पर जलवायिक विभिन्नताओं को पहचानने में और वायुमण्डलीय प्रक्रियाओ पर माननीय क्रियाकलापों के परिणामो को बताने में सहायक है । इसी प्रकार समुद्र विज्ञान तटीय प्रक्रियाओं से संबंधित है ओर महासागरों के विस्तृत ओर विविध संसाधनों के बारे मे बताता है ।

विषय सूची : अ – जलवायु विज्ञान

इकाई – I

मौसम और जलवायु विज्ञान की परिभाषा और महत्व, मौसम और जलवायु के तत्व । वायुमण्डल का संगठन और संरचना, वायुमण्डलीय तापमान, सूर्यातप और सूर्यातप के वितरण को प्रभावित करने वाले कारकः, उष्मा संतुलन तापक्रम का उर्ध्वाधर, क्षैतिज और मौसमी वितरण । वायुमण्डलीय दाब और पवनः, दाब का लम्बवत् और क्षैतिज वितरणः स्थायी, कालिक/सामयिक और सीनीय पवन ।

इकाई II

वायुमण्डलीय आर्द्रताः आर्द्रता, वाष्पीकरण और संघनन, जलीय चक्र, वर्षण के प्रकारः वर्षा का विश्व प्रतिरूपः प्रादेशिक और मौसमी वितरण । वायूराशियॉ और वाताग्रः उत्पत्ति, वर्गीकरण और गुण, वायुमण्डलीय विक्षोभ : उष्ण कटिबंधीय और शीतोश्ण कटिबंधीय चक्रवात – उनकी उत्पत्ति के सिद्धांत और संबंधित मौसम, झंझावात और टोरनेडो ।

इकाई III

जलवायु का वर्गीकरणः कोपेन के वर्गीकरण के आधार और प्रकार – वितरण, विशेषताऍ और संबंधित पादप एवं प्राणी जीवन । मानव जीवन मे जलवायु की भूमिकाः वायुमण्डलीय प्रदूषण और भूमण्डलीय तापन सामान्य कारण, परिणाम और नियंत्रण के उपाय ।

<u>ब – समुद्र विज्ञान</u>

इकाई IV

समुद्र विज्ञान और वायुमण्डलीय विज्ञान की प्रासंगिकता/महासागरीय नितल की धरातलीय बनावट, महाद्वीपीय ढाल, अगाध सागरीय मैदान, मध्य महासागरीय और महासागरीय गर्त, अंध, प्रशांत और हिंद महासागर का उच्चावच । सागरों एवं महासागरों मे तापमान और लवणता का वितरण ।

इकाई V

महासागरीय जल का संचरणः लहरें, ज्वार – भाटा और धाराऍ, अंध, प्रशांत, और हिन्द महासागर की धाराऍ । समुद्री निपेक्ष और प्रवाल भित्तियॉ तटीय पर्यावरण । महासागर भविष्य के लिये संसाधनो के भंडारगृह के रूप में ।

प्रस्तावित पुस्तकें

Barry, R.G. & R.J. Chorley Atomosphere, Weather and Climate, Routledge, 1998.

Critchfield, H. General Climatology, Prentice & Hall, New York, 1975.

Das, P.K. The monsoon. National Book Trust of India, New Delhi, 1968.

Lal, Das Climatology. Allahabad.

Stringer, E.T. Foundation of Climatology Surjeet Publications, Delhi, 1982.

Trewartha, G.T. Introdation to Climate International Student edition, Mc Graw Hill, New York, 180.

चौबे कैलाश एवं विजया फणसे : भूगोल के भौतिक आधार – जलमंडल म. प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल जोशी यशवन्त अनुवादक : सामान्य विज्ञान, म. प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

B.A./B.Sc. (General) Part II

GEOGRAPHY

Paper II : Economic Geography

Objectives

- The objectives of this course are to acquaint the students with the spatial pattern of the world economy consisting of activities ranging from primary to tertiary sectors, their bases and causes of the globalization and to comprehend the contemporary issues facing the global economy.

Course Contents :

Unit I

Definition, scope and content of Economic Geography; relation of economic geography with economics and other disciplines. Sectors of economy – primary, secondary and tertiary. Geography of primary production: Agriculture & wheat rice, sugarcane tea, coffee, cotton, jute, wool, rubber; fisheries.

Unit II

Mining economy; factors governing the exploitation of minerals; world reserves and production of iron ore, manganese,tungsten, chromite, tin, zinc, copper, bauxite.

Unit III

Fuel and power resources of the world, changing pattern of sources of commercial energy, world distribution and production of coal, petroleum and natural gas; hydroelectricity – world potential and development; atomic energy; non – conventional sources of energy.

Unit IV

Manufacturing industries; factors affecting location, growth and distribution of iron and steel industry in United States of America, Russia, Great Britain, Germany and India; aluminum industry – location and distribution in the world; cotton textile industry in United States of America, Great Britain, China, Japan and India – growth and distribution; woolen textile industry – location and world distribution; petrochemical industry – world distribution; fertilizer industry – world distribution.

Unit V

Trade : Law of trade. World trade wheat, cotton, tea coffee, petroleum and iron ore. Transport: relative significance of different means of transport; factor affecting land, water and air transport; world oceanic routes, important inland waterways, important canals and rail routes. Changes in world economy in context if globalization.

Suggested Readings :

Alexander, John, W. : Economic Geography. Prentice Hall of India, New Delhi, 1988.

Chatterjee, S.P. : Economic Geography of India. Allied Book Agency, Calcutta, 1984.

Eckarsley, R. (ed.) : Markets, the state and Environment. McMillan. London, 1995.

Estall, R.C. and R.C. Buchanan : Industrial Activity and Economic Geography. Hutchinson University Library, London, 1963.

Hamilton, I (ed.) : Resources and Industries. Oxford University Press, New York, 1992.

Janki, V.A. : Economic Geography. Concept Publishing Co. New Delhi.

Lloyd, Peter E. and peter Dicken: Location in Space : A theoretical Approach to Economic Geography. Harper and Row, Publishers, London, 1978.

Peach, W.N. & J.A. Constantin (eds): Zimmerman's World Resources and Industries. Harper and Row, New York, 1972.

Robertson, D (ed.): Globalization and Enviroment. E. Elgar Co. U.K. 2001.

Smith, J. and S.S. Dhillon: Agricultural Geographic Analysis John Wiley, New Yor, 1971.

Wheeler, J.O. et. Al. Economic Geography. John Wiley, New York 1995.

प्रमिला कुमार एवं श्रीकमल षर्मा : कृशि भूगोल, म. प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी,, भोपाल, 2000

प्रमिला कुमार एवं श्रीकमल षर्मा : औधोगिक भूगोल, म. प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी,, भोपाल, 1999

श्रीवास्तव वी. के. : आर्थिक भूगोल के मूल तत्व, वसुन्धरा प्रकाषन, गोरखपुर, 2001

सिंह जगदीष : आर्थिक भूगोल के मूल तत्व, ज्ञानोदय प्रकाषन गोरखपुर

शर्मा श्रीकमल : मानव एवं आर्थिक भूगोल, म. प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

बी. ए./बी. एससी. (सामान्य) भाग II
भूगोल
प्रश्नपत्र – द्वितीय
आर्थिक भूगोल

उद्देश्य :

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राथमिक से तृतीयक क्रियाओ से युक्त विश्व अर्थव्यवस्था के स्थानिक प्रतिरूप उनके अभ्यारण तथा क्षेत्रीय विभिन्नता के मापनः भूमण्डलीयकरण के विशेष संदर्भ में अर्थव्यवस्था में विश्वस्तरीय नूतन परिवर्तन से परिचित कराना तथा विश्व अर्थव्यवस्था के समसामयिक समस्याओं को समझाना है ।

विषय सूची :

इकाई I

आर्थिक भूगोल की परिभाषा क्षेत्र एवं विषयवस्तु, आर्थिक भूगोल का अर्थशास्त्र एवं अन्य विषयों से संबंध । अर्थव्यवस्था के खण्ड प्राथमिक, द्वितीयक तथा तृतीयक । प्राथमिक उत्पादन का भूगोलः कृषि – गेंहूँ ,चावल, गन्ना, चाय, कहवा, कपास, जूट, ऊन, रबर एवं मत्स्योत्पादन ।

इकाई II

खनन अर्थव्यवस्था खनिजों के उत्खनन को प्रभावित करने वाले कारकः लोह अयस्क, मैग्नीज, टंग्स्टन, क्रोमाइट, टिन जिंक तॉवा बाक्साइड का विश्व उत्पादन एवं संचित भण्डार ।

इकाई III

विश्व के ईधन तथा शक्ति के संसाधन, वाणिज्यिक शक्ति के स्त्रोंतो का बदलता प्रतिरूप कोयला पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस का विश्व मे वितरण एवं उत्पादन, जलविधुत – विश्व में संभावना एवं आणविक ऊर्जा के गैर परम्परागत स्त्रोत ।

इकाई IV

विनिर्माण उधोग : स्थानीकरण को प्रभावित करने वाले कारक, लौहा स्पात उद्योग – संयुक्त राष्ट्र अमरीका, रूस, ग्रेट ब्रिटेन, जर्मनी तथा भारत के स्थानीयकरण, वृद्धि और वितरण । विश्व में एल्यूमिनियम उद्योग का स्थानीयकरण एवं वितरण, सूती वस्त्र उद्योग संयुक्त राज्य अमेरिका, ग्रेट ब्रिटेन, चीन, जापान, एवं भारत में वृद्धि एवं वितरण विश्व में ऊनी वस्त्र उद्योग का स्थानीकरण एवं वितरण, विश्व में पेट्रो – रसायन उद्योग का वितरण, विश्व मे उर्वरक उद्योग का वितरण ।

इकाई V

व्यापारः व्यापार के नियम गेंहूँ कपास, कहवा, पेट्रोलियम एवं लोह अयस्क का विश्व व्यापारः परिवहन के विभिन्न साधनों का सापेक्षिक महत्व स्थल, जल एवं वायुपरिवहन को प्रभावित करने वाले कारक विश्व के महासागरीय मार्ग, महत्वपूर्ण (अन्तदेशीय) आन्तरिक जल मार्ग, महत्वपूर्ण नहरें एवं रेलमार्ग । वैश्वीकरण के संदर्भ में विश्व अर्थव्यवस्था में परिवर्तन ।

प्रस्तावित पुस्तकें :–

Alexander, John, W.: Economic Geogrphy. Prentice Hall of India, New Delhi, 1988.

Chatterjee, S.P. Economic Geography of India. Allied Book Agency, Calcutta, 1984.

Eckarsley, R. (ed.) : Markets, the state and Environment. McMillan, London, 1995

Estall, R.C. and R.C. Buchanan: Industrial Activity Economic Geography. Hutchinson University Library, London, !963.

Hamilton, I (ed.) : Resources and Industries. Oxford University Oress, New Yprk 1992.

Lloyd, Perer E. and peter Dicken : Location in Space : A theoretical Approach to Economic Geography. Harper and Row, Publishers, London, 1978.

Peach, W.N. & J.A. Constantin (eds): Zimmerman's World Resources and industries. Harper and Row, New York, 1972.

Robertson D. (ed.) : Globalization and Environment E. Elgar Co. U.K. 2001,

Singh , J. and S.S. Dhillon: Agricultural Geography McGraw, India, New Delhi, 1994.

B.A./B.Sc. (General) Part II

GEOGRAPHY

Paper III : Practical Geography – Cartography and Surveying II

Objectives

- The objectives of this course are to train the students in the art of representing socio – economic and demographic data of any area through simple statistical and thematic mapping techniques. As an example of techniques of interpretation study of Indian Daily Weather maps is introduced to them. Techniques of terrestrial survey by measuring angular distance with the help of prismatic Compass and preparation of map of an area also from the part of the practical exercises.

Course Contents :

Unit I

Basic statistical methods: use of Mean, median and mode deviation in the analysis of geographical data.

Unit II

Mapping techniques: Mapping : of population, social, economic and physics data employing dot, isopleth and choropleth methods.

Unit III

Use of meteorological instruments: Maximum Thermometer, Dry and Wet Bulb Thermometer; Fortin's Barometer Aneroid Barometer; Rain Gauge, Wind vane, Anemometer. Classification of Indian Meteorological Observatories and method of collection of weather data.

Unit IV

Weather map: preparation of weather maps in India; symbols used in weather maps; Interpretation of Weather Maps published by the Indian Meteorological Department for June – July and January.

Unit V

Surveying by Prismatic Compass – open and closed traverse, correction of bearings and mapping.

Suggested Readings :

Gregory, S. Statistical Methods and the Geographers. Longman S. London, 1963.

Khan, Z.A. Text Book of Practical Geography. Concept Publishing Co. new Delhi.

Lawarence, G.R.P. Cartographic Methods. Methuen, London, 1968

Monkhouse, F.J. & H.R. Winkinson. Maps and Diagrams. Methuen, London, 1994

Pal, S.K. Statistics for Geoscientists – Techniques and Approaches. Concept, New Delhi, 1998,

Sarkar, A.K. Practical Geography – A Systenatic Approach. Orient Longman, Calcutta 1997.

Singh, R.L. Singh Elements of Practical Geography. Kalyani Pub., New Delhi, 1979.

अय्यर एन. पी : सर्वेक्षण संशोधक – जे. एल. जैन, म. प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

नैगी बी. एस. : भूगोल की आधारभूत सांख्यिकी

पवार आर.एस. : मानचित्र विज्ञान एवं प्रायोगिक भूगोल तुलसी प्रकाशन मेरठ

षर्मा जे. पी. : प्रयोगात्मक भूगोल, रस्तोगी प्रेस मेरठ

सिंह आर. एल. : प्रायोगिक भूगोल के मूल तत्व, कल्याणी प्रकाशन, नई दिल्ली

बी. ए./बी. एससी. (सामान्य) भाग II

भूगोल

प्रश्नपत्र – तृतीय

प्रायोगिक भूगोल – मानचित्र एवं सर्वेक्षण

उद्देश्य :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य साधारण सांख्यकीय एवं थीमेटिक मैपिंग तकनीकों द्वारा किसी क्षेत्र मे सामाजिक, आर्थिक एवं जनांकिकी संमको के प्रदर्शन की कला में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना है । मानचित्र व्याख्या की तकनीक के उदाहरण के रूप में भारतीय दैनिक मौसम मानचित्रों के अध्ययन से उन्हें परिचित करना है । प्रिजमेटिक कम्पास की सहायता से कोणीय दूरी मापन के माध्यम से स्थलीय सर्वेक्षण एवं क्षेत्र का मानचित्र तैयार करने के प्रायोगिक अभ्यास को भी सम्मिलित किया गया ।

विषय सूची :

इकाई – I

आधारभूत सांख्यकीय विधियों – माध्यिका एवं बहुलक तथा विचलनों को भौगोलिक विष्लेशण एवं उपयोग ।

इकाई – II

मानचित्र तकनीक – बिन्दू सममान रेखा एवं वर्णमात्री विधियों का उपयोग करते हुए जनसंख्या, सामाजिक, आर्थिक एवं भौतिक संमकों का मानचित्र करना ।

इकाई – III

मौसम विज्ञान संबंधी उपकरणों का उपयोग – अधिकतम एवं न्यूनतम थर्मामीटर, षुश्क एवं आर्द्र थर्मामीटर फोर्टीन का बैरोमीटर, एनोरायड बैरोमीटर, वर्शामापी यंत्र एनिमोमीटर । भारतीय वेधशालाओं का वर्गीकरण एवं मौसम संबंधी समंकों के एकत्रीकरण की विधियॉ ।

इकाई –IV

मौसम मानचित्र – भारत में मौसम मानचित्रों को तैयार करना, मौसम मानचित्रों में प्रयोग किए गए चिन्ह, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा प्रकशित जून – जुलाई एवं जनवरी माह के मौसम मानचित्रों की व्याख्या ।

इकाई –V

प्रिज्मेटिक कम्पास द्वारा सर्वेक्षण, खुला एवं बंद मापन, दि्कमानों का संशोधन तथा मानचित्रण ।

प्रस्तावित पुस्तकें :–

Gregory, S. Statistical Methods and Geographers. Longman S London, 1963.

Khan, Z.A. Text Book of Practical Geography. Concept Publishing Co. new Delhi.

Lawarence, G.R.P. Cartographic Methods, Methuen, London, 1968.

Monkhouse, F.J. & H.R. Winkinson, Maps and Diagrams Methuen, London, 1994

Pal, S.K. Statistics for Geoscientic Approach Orient Longman, Clcutta, 1997.

Singh, R.L. Singh, Elements of Practical Geography, Kalyani Pub., New Delhi, 1979.